

सिरजक वि. (तद्.) सर्जक, रचना करने वाला, बनाने वाला पुं. ईश्वर, परमात्मा, सृष्टिकर्ता।

सिरजन पुं. (तद्.) 1. सृजन, रचना 2. सृष्टि।

सिरजनहार पुं. (तद्.) सृजन करने वाला, ईश्वर, सृष्टिकर्ता रचयिता।

सिरजना स.क्रि. (तद्.) सृजन करना, बनाना, रचना। सृष्टि करना।

सिरजित वि. (तद्.) सृजित, रचा हुआ अर्थात् बनाया हुआ।

सिरटीकौ वि. (तद्.) 1. शिरोमणि, श्रेष्ठतम 2. अग्रगण्य, मुख्य पुं. सिर का टीका, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति अथवा वस्तु।

सिरढकाई स्त्री. (देश.) 1. सिर ढाँकने की क्रिया 2. वेश्या से संबंधित रस्म जिसमें वह पहली बार जब पुरुष से समागम करती है तो उसका सिर ढककर उसे वधू का रूप धारण कराया जाता है।

सिरताज वि. (फा.) प्रमुख, मुख्य, अग्रगण्य पुं. 1. सिर पर पहनने का ताज, मुकुट 2. शिरोमणि।

सिरतान पुं. (देश.) काश्तकार, मालगुजार।

सिरती स्त्री. (देश.) लगान, कर, वह राशि जो असामी जमीन जोतने के बदले में जमींदार को देता था।

सिरत्राण पुं. (तद्.) शिरस्त्राण, वह टोप जो युद्ध आदि के समय सैनिक सिर पर पहनते हैं, सिर का कवच।

सिरदर्द पुं. (हिं.सिर+फ़ा.दरद) सिर में पीड़ा, सिर में दर्द पुं. व्यर्थ का झंझट प्रयो. उषा का गाना सिखाना प्रारंभ करके मैंने सिरदर्द मोल ले लिया।

सिरदार पुं. (फा.) सरदार, किसी मंडली का नेता, नायक, अगुआ।

सिरदारी स्त्री. (फा.) सरदार का पद, भाव या स्थिति, सरदारपन।

सिरदुआली स्त्री. (फा.सरदुआल) घोड़े के मुँह का वह हिस्सा जिसमें लगाम अटकी रहती है।

सिरधरा वि. (देश.) 1. जिसे सिर पर रखा जा सके, शिरोधार्य 2. बहुत लाड़-प्यार में पाला हुआ पुं. वह जो किसी को अपने सिर पर रखता अर्थात् उसका संरक्षक होता है, संरक्षक।

सिरधरू वि. (देश.) दे. सिरधरा।

सिर-धामिनी वि. (देश.) सिर पर निवास करने वाली। जैसे- शिव जी के सिर पर गंगा।

सिरधुरई स्त्री. (देश.) ज्वरांकुश तृण।

सिरनामा पुं. (फा.) 1. पत्र के प्रारंभ में पत्र प्राप्त करने वाले का नाम, पद, उपाधि आदि 2. लेखों आदि का शीर्षक 3. पत्र के बाहर लिफाफे के ऊपर लिखा जाने वाला प्राप्तकर्ता का नाम और पता।

सिरनेत पुं. (देश.) 1. सिर पर धारण की जाने वाली पगड़ी 2. क्षत्रियों का एक वर्ग या शाखा।

सिर-पच्ची स्त्री. (देश.) 1. किसी काम में सिर अर्थात् दिमाग खपाना, सिर-खपी 2. दिमागी काम करने के कारण होने वाली दिमागी थकावट।

सिरपाव पुं. (तद्.) 1. सिर से पैर तक पहनने के वे सब कपड़े (पगड़ी, पायजामा, दुपट्टा आदि) जो राजा आदि द्वारा राजसम्मान के रूप में प्रदान किया जाता है, सिरोपाव, सिरोपा।

सिरपेच/सिरपेंच पुं. (फा.) 1. पगड़ी, पटका, साफा 2. वह आभूषण या गहना जो पगड़ी के ऊपर लगाया जाता है।

सिरपोश पुं. (फा.) 1. सिर ढकने का टोप, शिरत्राण 2. बंदूक का गिलाफ 3. किसी वस्तु को ऊपर से ढकने का गिलाफ।

सिरफिरा वि. (देश.) 1. जिसका सिर फिर गया हो अर्थात् विकृत मस्तिष्क वाला 2. मूर्खतापूर्ण बातें करने वाला, बुद्धिहीन 3. कुछ-कुछ पागलों जैसा।